प्रेस विज्ञप्ति

मर्णिकर्णिका घाट उत्तरकाशी 21, जून 2008

कल दिनांक 20.6.08 को प्रदेश के ऊर्जा, आवास, एंव शहरी विकास सचिव श्री शत्रुघ्न सिंह आमरण अनशन स्थल में उपस्थिति होकर लिखित पत्र संख्या अ.शा.140/पी. एस. /कैम्प/ता.19 जून 2008 डा. गुरूदास अग्रवाल जी को सौंपी, डा. अग्रवाल का कहना है कि उत्तराखण्ड सरकार की भागीरथी गंगा क अविरल धारा का महत्व स्वीकारने, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा सभी संभव कार्यवाही करने और प्रमाण–स्वरूप भैरव घाटी (381 मेगावाट) और पाली मनेरी (480 मेगावाट) परियोजनाओं का कार्य तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्णय का मैं स्वागत करता हूं, परन्तु इसमें कुछ कमियां हैं जैसेः–

1. भैरवघाटी और पाला मनेरी पर काम रोकने की बात कही गई, इन परियोजनाओं को सदैव के लिए निरस्त करने की नहीं।

2. मनेरी भाली फेज–1 तथा फेज–2, जो सम्पन्न परियोजनाएं हैं, भी भागीरथी जी की अविरलता में प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता के प्रमाण स्वरूप इनका उत्पादन उस सीमा तक कम करने को जो बाद में तय की जा सकती है पर हमें भरोसा है।

इन प्रयासों के लिये हम राज्य सरकार को धन्यवाद देते है परन्तु अभी डा. जी. डी. अग्रवाल जी का संकल्प पूरा नहीं हुआ क्योंकि लोहारीनाग पाला जो केन्द्र सरकार एंव एन.टी.पी.सी. की परियोजना है, बचती है, डा. अग्रवाल का कहना है जब तक इस परियोजना को सदैव के लिए निरस्त नहीं कर दिया जाता तब तक न तो मां भागीरथी की अविरलता सुरक्षित होती और न ही मैं अपना संकल्पित आमरण अनशन खोल सकता हूं। और अब इसके लिए केन्द्र सरकार एंव एन.टी.पी.सी. पर दबाव बनाने की बात करते हुए आमरण अनशन जारी रखते हुए एंव 23 जून 2008 से दिल्ली में

आमरण अनशन की बात कहीं, इसके लिए हमें सभी आस्थावान भारतियों तथा प्रदेश सरकार से भी सहयोग की उपेक्षा है।

कल 20 जून 2008 को स्वामीसंकराचार्य स्वरूपाननद जी स्वंय अपने दल–बल के साथ अनशन स्थल पर उपस्थित होकर डा. अग्रवाल जी को आर्शिवाद दिया तथा अपने शिष्य स्वामी परिपूर्णानन्द जी को भी डा. अग्रवाल जी के साथ आमरण अनशन पर बैठाया।

देश के सभी भागों से लगातार समर्थन प्राप्त हो रहे हैं आज सुबह अखिल भारत हिन्दू महासभा का लिखित समर्थन पत्र प्रदान हुआ।

आज आमरण अनशन के नौवें दिन भी अनशन जारी रहा, स्वास्थ में लगातार गिरावट जारी है, अभी आमरण अनशन के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे है।